Under CSR Support by
ipca | Foundation
missiongyan

बहुविकल्पी प्रश्न

1. नेताजी का चश्मा पाठ अनुसार कस्बे में किस चीज का कारखाना था?

(अ) वस्त्र-बुनाई (ब) खाद कारखाना
(स) सीमेंट कारखाना (द) इस्पात कारखाना

2. वो लँगड़ा क्या जाएगा फ़ौज में। पागल है पागल! ये शब्द किसने कहे हैं?

(अ) नगरपालिका के अध्यक्ष ने (ब) हालदार ने
(स) ड्राइवर ने (द) पानवाले ने

3. कैप्टन मूर्ति का चश्मा बार-बार क्यों बदल देता था?

(अ) वह नेताजी को प्रतिदिन नए चश्मे पहनाता था (ब) मूर्ति को पहनाया हुआ चश्मा बिक जाने के कारण
(स) उसे चश्में बदलना अच्छा लगता था (द) इनमें से कोई नहीं

4. नेताजी का चश्मा पाठ में नगरपालिका का समय ऊहापोह में बीता क्योंकि —

(अ) मूर्ति की लागत का अनुमान सही नहीं था (ब) नगरपालिका को अच्छे मूर्तिकारों की जानकारी नहीं थी
(स) उपर्युक्त सभी (द) विभागीय चिट्ठी-पत्री का समय लगा था

5. नेताजी की मूर्ति कहाँ पर थी?

(अ) शहर के मुख्य बाजार के मुख्य चौराहे पर (ब) मोहल्ले में
(स) नगरपालिका में (द) शहर के बीचों बीच चौराहे पर

6. नेताजी का चश्मा कहानी में पानवाला क्यों उदास हो गया था?

(अ) उसके पान बिक नहीं रहे थे (ब) इनमें से कोई नहीं
(स) कैप्टन चश्मे वाला मर गया था (द) नेताजी की मूर्ति पर कोई चश्मा नहीं था

7. नेताजी का चश्मा पाठ में हालदार साहब को कौन-सी बात अच्छी नहीं लगी?

(अ) पानवाले द्वारा कैप्टन का उपहास उड़ाना (ब) पत्थर की मूर्ति पर असली चश्मा
(स) ड्राइवर का झटके से जीप रोकना (द) कैप्टन द्वारा मूर्ति पर चश्मा लगाना

8. हालदार साहब हमेशा चौराहे पर रुककर मूर्ति निहारते थे क्योंकि —

(अ) उनमें देशभक्ति की भावना थी (ब) वे मूर्ति को चश्मा पहनाते थे
(स) वे एक अच्छे मूर्तिकार थे (द) वे उस मूर्ति के संरक्षक थे

9. नेताजी की मूर्ति किस वेशभूषा में थे?

(अ) फौजी वर्दी में (ब) साधारण कपड़ों को
(स) खादी कपड़ों में (द) रेशमी वस्त्रों में

10. नेताजी का चश्मा नामक कहानी में देशभक्तों का अनादर करने वाले पात्र कौन है?

(अ) कैप्टन (ब) हालदार
(स) हालदार का ड्राइवर (द) पानवाला

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

रिक्त स्थान :

11. नेताजी का चश्मा पाठ में मूर्तिकार का नाम _____ था।

12. नेताजी की मूर्ति _____ पर लगी हुई थी।

सत्य / असत्य

13. पानवाले को देखकर हवलदार के चेहरे पर कौतुकभरी मुस्कान फैल गई।

14. कहानीकार स्वयं प्रकाश जी का जन्म सन् 1947 में इंदौर, मध्य प्रदेश में हुआ।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. हालदार साहब क्या सुनकर मायूस हो गए थे?

16. कप्टन देखने में में कैसा था? उसने अपने हाथों में में क्या ले रखा था?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. नेताजी का चश्मा पाठ के संदर्भ में में मूर्ति देखने में कैसी लग रही थी? उसे देखकर किस बात की याद आ जाती थी?

18. हालदार साहब सदा उस कस्बे के चौराहे पर क्यों रुकते थे? एक दिन न रुकने का निर्णय लेकर भी अचानक क्यों रुक गए?

निबंधात्मक प्रश्न

19. हालदार साहब भावुक हैं। इतनी-सी बात पर उनकी आँखें भर आई। नेताजी का चश्मा' कहानी के आधार पर इतनी-सी बात को समझाइए। हालदार साहब की आँखें भर आने का क्या कारण रहा होगा? नेताजी का चश्मा पाठ के संदर्भ में अपने विचार प्रकट कीजिए।

20. वाक्य पात्र की कौन-सी विशेषता की ओर संकेत करता है- हालदार साहब हमेशा चौराहे पर रुकते और नेताजी को निहारते।

HOTS

21. नेताजी का चश्मा कहानी के आधार पर पानवाले के चरित्र पर प्रकाश डालिए।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहां चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

अध्याय-7 | स्वयं प्रकाश

Worksheet-1 उत्तरमाला

1. (स) पाठ में बताया गया है कि कस्बे में सीमेंट कारखाना था।
2. (द) उपर्युक्त कथन को पानवाले ने कैप्टन के प्रति उपेक्षा और लापरवाही से कहे थे।
3. (ब) मूर्ति को पहनाया हुआ चश्मा बिक जाने के कारण।
4. (स) अच्छे मूर्तिकारों की जानकारीऔर बजट का अनुमान के अभाव और अधिकारियों के साथ चिट्ठी-पत्री करने में नगरपालिका का समय ऊहापोह में बीत गया।
5. (अ) शहर के मुख्य बाजार के मुख्य चौराहे पर।
6. (स) कैप्टन चश्मे वाला मर गया था।
7. (अ) पानवाले द्वारा कैप्टन का उपहास उड़ाना।
8. (अ) हालदार साहब के भीतर देशभक्ति की भावना होने के कारण वह मूर्ति को निहारते थे।
9. (अ) नेता जी की मूर्ति फौजी वर्दी में सिर से कोट के बटन तक बनाई गयी थी।
10. (द) कहानी में पानवाला ऐसे लोगों का प्रतिनिधित्व करता है जो सिर्फ अपने लिए जीवित रहते हैं देशहित की भी चिंता नहीं करते हैं।
11. **रिक्त स्थान :** मोती लाल।
12. **रिक्त स्थान :** मुख्य बाज़ार के चौराहे पर।
13. **सत्य / असत्य :** असत्य
14. **सत्य / असत्य :** सत्य
15. हालदार साहब कैप्टन की मृत्यु का समाचार सुनकर मायूस हो गए कि अब मूर्ति पर चश्मा कौन लगाएगा।
16. कैप्टन देखने में बूढ़ा और मरियल-सा था। वह लँगड़ा भी था और सिर पर गाँधी टोपी और आँखों पर काला चश्मा लगाए हुए था। उसने अपने एक हाथ में एक छोटी-सी संदूकची ले रखी थी और दूसरे हाथ में एक बाँस ले रखा था जिस पर बहुत से चश्मे टँगे हुए थे।
17. मूर्ति देखने में बहुत सुंदर लग रही थी। उसमें फौजी वर्दी पहने नेताजी सुभाषचंद्र बोस कुछ-कुछ मासूम और कमसिन लग रहे थे। मूर्ति को देखकर नेताजी द्वारा दिए गए नारों 'दिल्ली चलो' और 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा' आदि की याद आने लगती थी।
18. हालदार साहब मूर्ति पर बदलते हुए चश्मे को देखने के लिए और पान खाने के लिए कस्बे के चौराहे पर रुकते थे। कैप्टन की मृत्यु होने पर मूर्ति पर चश्मा लगाने वाला कोई नहीं रहा, तो हालदार साहब ने चौराहे पर न रुकने का का निर्णय लिया, पर मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा लगा देखकर वे अचानक रुक गए।
19. "नेताजी का चश्मा" कहानी में हालदार साहब की भावुकता उनके संवेदनशील स्वभाव को दर्शाती है। जब उन्होंने किसी छोटे से विवरण या घटना पर भावनाओं का अनुभव किया, तो उनकी आँखें भर आई। यह इस बात का संकेत है कि वे अपने जीवन, रिश्तों और समाज से गहरे जुड़ाव महसूस करते हैं। हालदार साहब की आँखों का भर आना यह दर्शाता है कि वे छोटी-छोटी बातों में भी गहरी भावनाएं छिपी होती हैं। जैसे-जैसे वे अपने अनुभवों और यादों में डूबते हैं, उनकी संवेदनशीलता उभरकर सामने आती है। यह उनके चरित्र की गहराई और मानवता के प्रति उनकी करुणा को भी उजागर करता है, जो उन्हें एक विशेष पहचान देती है।
    नेताजी सुभाषचंद्र बोस की मूर्ति की आँखों पर बच्चों के हाथों से बने सरकंडे के छोटे-से चश्मे को देखकर हालदार साहब के मन में आया निराशा का भाव आशा के रूप में परिवर्तित हो गया होगा। उनके मन में यह विश्वास उत्पन्न हो गया पता होगा कि हमारी भावी पीढ़ी के हृदय में भी देशभक्ति की भावना सुरक्षित रहेगी। वे अपने देश के भविष्य के बारे में जो चिंता प्रकट कर रहे थे, उससे उन्हें मुक्ति मिल गई होगी। इस प्रकार उनके अंतर का आह्लाद आँसू के रूप में उनकी आँखों में छलक आया होगा और उनकी आँखें भर आई होंगी।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

20. लेखक स्वयंप्रकाश की इस रचना के मुख्य पात्र हालदार साहब कस्बे के चौराहे पर हमेशा रूकते और नेताजी की मूर्ति को निहारते। हालदार साहब स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति सम्मान की भावना रखते थे। तभी वे नेताजी सुभाषचंद्र बोस की मूर्ति पर मूर्तिकार द्वारा चश्मा लगाना भूल जाने पर पानवाले से पूछताछ करते हैं। वे कैप्टन द्वारा नेताजी की मूर्ति पर चश्मा लगाने पर खुश होते हैं और कैप्टन के नहीं रहने पर बच्चों द्वारा चश्मा लगाने पर तो वे भावविभोर हो जाते हैं। इस प्रकार हालदार साहब नेताजी की मूर्ति को बार-बार निहार कर अपनी देशभक्ति की भावना का परिचय देते हैं।

21. कहानी में दिखाया गया है कि पानवाला एक बातूनी व्यक्ति है। वह अत्यधिक मोटा है। बात करते समय व हँसते समय उसकी तोंद हिलती रहती है। उसकी बातों में व्यंग्य व हँसी के साथ यथार्थ भी रहता है। कहीं-कहीं देशभक्तों के प्रति अनादर भाव की बात भी कह देता है। किंतु इतना कुछ होते हुए भी वह संवेदनशील व्यक्ति है। कैप्टन की मृत्यु का उसे गहरा दुख है। कैप्टन के मरने पर उसकी देशभक्ति का अहसास होता है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें : जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App